Seventeenth Loksabha

an>

Title: Need to strenghten the implemenation of Har Ghar Nal-Jal, Scheme in Jharkhand.

श्री सुदर्शन भगत (लोहरदगा): महोदय, सर्वप्रथम मैं आपका अभिनन्दन करना चाहूँगा कि आपने मुझे जनहित के मुद्दे को उठाने का अवसर किया है । महोदय, जैसा कि आपको विदित है, मैं सदन में झारखंड राज्य के जनजाति बहुल एवं ग्रामीण बहुल लोहरदगा संसदीय क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करता हूँ । बाबा टांगीनाथ की भूमि, प्राकृतिक सौंदर्य से परिपूर्ण, रत्नगर्भा धरती, कृषि पर आधारित जीवन शैली, अपनी समृद्ध संस्कृति को समेटे हुए यह क्षेत्र आज अनेकों चुनौतियों से जूझ रहा है । महोदय, यह क्षेत्र आर्थिक रूप से पिछड़ा होने के साथ-साथ प्राकृतिक विषमताओं से भी भरा हुआ है । गुमला, लोहरदगा क्षेत्र के भूजल में आर्सेनिक की मात्र अधिक होने के कारण किडनी संबंधी रोग बढ़ रहे हैं । लोग कई प्रकार के कुपोषण के शिकार होते हैं । ऐसी परिस्थिति में आज विशेष रूप से देश के प्रधानमंत्री जी का मैं गुमला, लोहरदगा सहित सम्पूर्ण झारखंड की जनता की ओर से अभिवादन करता हूँ कि आपके नेतृत्व में, आपकी पहल पर देश में 'हर घर नल से जल योजना' की शुरूआत की गई । हम सभी जानते हैं कि आजादी के 70 साल बाद भी देश के लगभग 50 प्रतिशत लोग शुद्ध पेयजल से वंचित थे ।

केन्द्र और राज्य स्तर पर अलग-अलग सरकारों ने इसके लिए काम किया है । लेकिन वास्तविकता यह है कि देश के लोगों को विशेषकर महिलाओं को पीने के पानी के लिए मीलों पैदल जाना पड़ता है । सर, मैं आपके माध्यम से सरकार से यह मांग करता हूं कि झारखंड सरकार में इस योजना के प्रभावी रूप से न चलने अथवा न चलाये जाने की उच्च स्तरीय जांच होनी चाहिए । साथ ही झारखंड सरकार को घर-घर तक पीने का शुद्ध पानी पहुंचाने के लिए प्रतिबद्ध होना चाहिए । मैं इस योजना के संकल्प के लिए आदरणीय मोदी जी का अभिनंदन करता हूं एवं आपका आभार और धन्यवाद व्यक्त करते हुए अपनी बात को समाप्त करता हूं । धन्यवाद ।